ये तन क्या है इक पिंजरा है

ये तन क्या है, इक पिंजरा है,
इस पिंजरे में, इक तोता है,
ये तोता जब उड़ जाएगा,
तो खाली पिंजरा रह जाएगा,
ये तन क्या है, इक पिंजरा है,
इस पिंजरे में, इक तोता है।

दुनिया वालों, ए दुनियाँ वालों,
दुनिया मुसाफिर खाना है,
जो आज आए हैं,
कल उन्हें वापस जाना है,
जग जोगी वाला फेरा है,
ना तेरा है ना मेरा है,
ये तन क्या है, इक पिंजरा है,
इस पिंजरे में, इक तोता है।

जब तक इस, ओ जब तक,
इस तोते का यहाँ पर दाना है,
तब तक इस पिंजरे में जन्म बिताना है,
जब दाना ही मुक जाएगा,
तो खाली पिंजरा रह जाएगा,
ये तन क्या है, इक पिंजरा है,
इस पिंजरे में, इक तोता है।

ये पिंजरा हुआ पुराना,
ओ ये पिंजरा हुआ पुराना,
पंछी छोड़ चला,
और कई जन्मों के,
रिश्ते नाते तोड़ चला,
जब पंछी ही उड़ जाएगा,
तो खाली पिंजरा रह जाएगा,
ये तन क्या है, इक पिंजरा है,
इस पिंजरे में, इक तोता है।

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/22219/title/ye-tan-kya-hai-ek-pinjara-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |